

शुभांशी की फ़िल्म 'नाटोक' बुसान फ़िल्म फ़ेस्टिविल में बनी वजि़ता, इंडो-फ़्रेंच फ़ेस्टिविल में भी हुआ चयन

चर्चा में क्यों?

7 अक्टूबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार साउथ कोरिया में आयोजित बुसान न्यू वेब शॉर्ट फ़िल्म फ़ेस्टिविल 2022 में रामगढ़ ज़िला के अंतरगत रजरप्पा की 15 वर्षीय शुभांशी चक्रवर्ती द्वारा निर्देशित फ़िल्म 'नाटोक' वजि़ता बनी है। वहीं, इंडो-फ़्रेंच इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिविल में भी इसका चयन हुआ है।

प्रमुख बद्दि

- जानकारी के अनुसार, फ़िल्म 'नाटोक'को शुभांशी द्वारा निर्देशित किया गया है, जबकि कैमरा और संपादन का कार्य पार्थ भट्टाचार्य एवं फ़िल्म का निर्माण एवं लेखन शुभांशी के पिता शुभाशीष चक्रवर्ती द्वारा किया गया है।
- फ़िल्म 'नाटोक' का हिन्दी अर्थ 'नाटक' है। 4 मिनट 35 सेकेंड का यह फ़िल्म छऊ नर्तकों पर आधारित है।
- शुभांशी चक्रवर्ती हीरानंदानी फ़ाउंडेशन स्कूल (एच. एफ. एस), मुंबई में 11वीं कक्षा में अध्ययनरत हैं।
- वदिति है कि शुभाशीष चक्रवर्ती पछिले दस वर्षों से अपने वेतन की राशसे भारत में वंचित समुदायों की मदद कर रहे हैं और उन्हें बदलने के लिये कार्य कर रहे हैं। वे सोनाहातू प्रखंड के पंडाडीह गाँव को गोद लिये हुए हैं। इस गाँव के बच्चों को छऊ नृत्य सिखा रहे हैं। वहीं गाँव में पुस्तकालय, औषधीय पौधशाला का निर्माण एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान में कार्य कर रहे हैं।
- शुभाशीष चक्रवर्ती एक वैश्विक समूह में एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। वे सामाजिक वैज्ञानिक हैं। वे आदवासी मामलों के विशेषज्ञ, टेडएक्स स्पीकर, कवि और लघु कथाकार भी हैं।